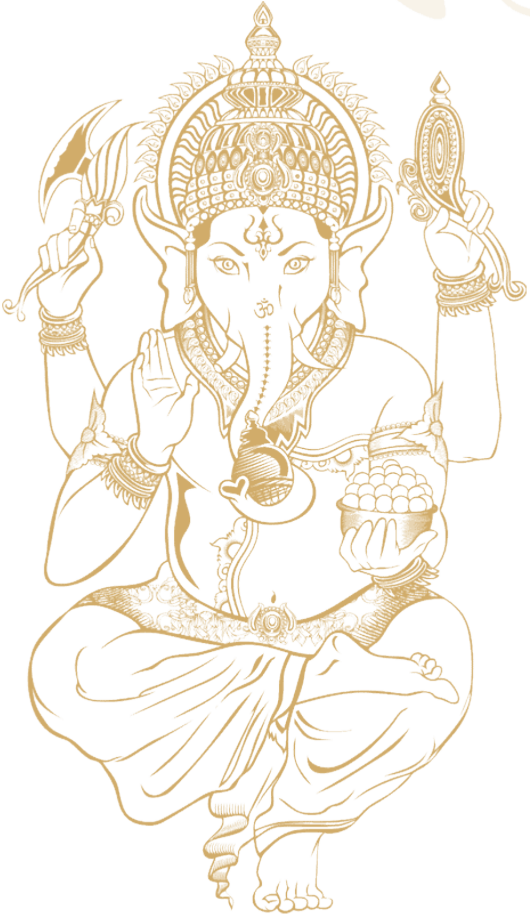

Mr. ......

02 Dec 2025

01:03 PM

Lucknow

Model: web-freekundliweb

Order No: 120399703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/12/2025**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**13:03:00 घंटे**
इष्ट	15:59:52 घटी
स्थान	**Lucknow**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:50:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:56:36 घंटे
वेलान्तर	00:10:35 घंटे
साम्पातिक काल	17:42:12 घंटे
सूर्योदय	06:39:03 घंटे
सूर्यास्त	17:12:45 घंटे
दिनमान	10:33:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	16:09:07 वृश्चिक
लग्न के अंश	29:34:38 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वरियान
करण	बालव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चो-चोलुक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

आचार्य उज्ज्वल कृष्ण शास्त्री जी
श्री धाम अयोध्या जी (सारंगापुर)
7906311562 , 7388947439
Ujjwalkrishna7388@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	29:34:38	502:30:25	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चिक	16:09:07	01:00:48	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	08:28:05	14:53:46	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चिक	26:03:01	00:44:34	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	स्वराशि
बुध			तुला	27:02:43	00:25:04	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		कर्क	00:13:44	00:04:02	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			वृश्चिक	07:37:50	01:15:26	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	सम राशि
शनि			मीन	00:57:11	00:00:27	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	19:57:19	00:07:43	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	19:57:19	00:07:43	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	04:46:38	00:02:27	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप	व		मीन	05:10:17	00:00:17	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:42:39	00:01:19	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			धनु	01:41:53	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:12

लग्न-चलित

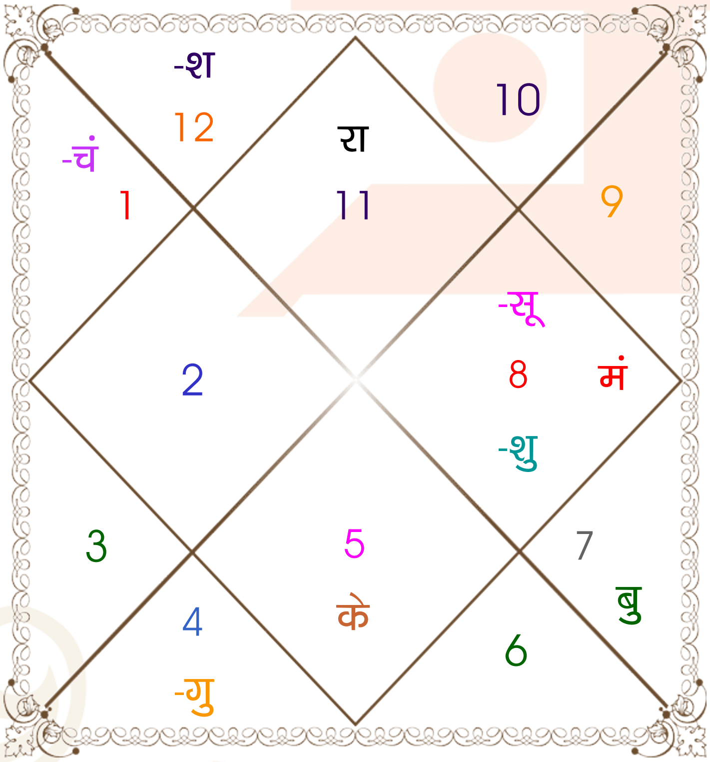

चन्द्र कुंडली

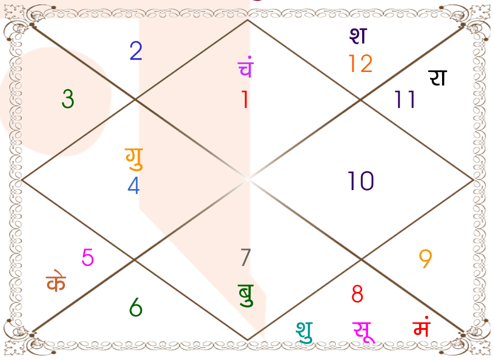

नवमांश कुंडली

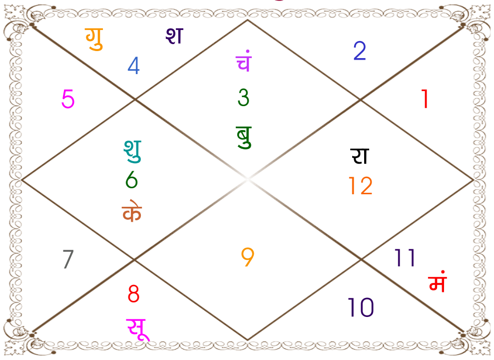

आचार्य उज्ज्वल कृष्ण शास्त्री जी
श्री धाम अयोध्या जी (सारंगापुर)
7906311562 , 7388947439
Ujjwalkrishna7388@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 6 मास 19 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
02/12/2025	22/06/2028	22/06/2048	22/06/2054	22/06/2064
22/06/2028	22/06/2048	22/06/2054	22/06/2064	23/06/2071
00/00/0000	शुक्र 22/10/2031	सूर्य 10/10/2048	चंद्र 23/04/2055	मंगल 18/11/2064
00/00/0000	सूर्य 22/10/2032	चंद्र 10/04/2049	मंगल 22/11/2055	राहु 07/12/2065
00/00/0000	चंद्र 22/06/2034	मंगल 16/08/2049	राहु 23/05/2057	गुरु 13/11/2066
00/00/0000	मंगल 23/08/2035	राहु 11/07/2050	गुरु 22/09/2058	शनि 22/12/2067
00/00/0000	राहु 22/08/2038	गुरु 29/04/2051	शनि 22/04/2060	बुध 19/12/2068
02/12/2025	गुरु 22/04/2041	शनि 10/04/2052	बुध 22/09/2061	केतु 17/05/2069
गुरु 17/05/2026	शनि 22/06/2044	बुध 14/02/2053	केतु 23/04/2062	शुक्र 17/07/2070
शनि 26/06/2027	बुध 23/04/2047	केतु 22/06/2053	शुक्र 22/12/2063	सूर्य 22/11/2070
बुध 22/06/2028	केतु 22/06/2048	शुक्र 22/06/2054	सूर्य 22/06/2064	चंद्र 23/06/2071

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
23/06/2071	22/06/2089	23/06/2105	23/06/2124	23/06/2141
22/06/2089	23/06/2105	23/06/2124	23/06/2141	00/00/0000
राहु 05/03/2074	गुरु 10/08/2091	शनि 26/06/2108	बुध 20/11/2126	केतु 19/11/2141
गुरु 28/07/2076	शनि 21/02/2094	बुध 06/03/2111	केतु 17/11/2127	शुक्र 19/01/2143
शनि 04/06/2079	बुध 29/05/2096	केतु 14/04/2112	शुक्र 17/09/2130	सूर्य 27/05/2143
बुध 22/12/2081	केतु 05/05/2097	शुक्र 15/06/2115	सूर्य 24/07/2131	चंद्र 26/12/2143
केतु 09/01/2083	शुक्र 04/01/2100	सूर्य 27/05/2116	चंद्र 23/12/2132	मंगल 24/05/2144
शुक्र 09/01/2086	सूर्य 23/10/2100	चंद्र 26/12/2117	मंगल 20/12/2133	राहु 11/06/2145
सूर्य 04/12/2086	चंद्र 22/02/2102	मंगल 04/02/2119	राहु 08/07/2136	गुरु 03/12/2145
चंद्र 04/06/2088	मंगल 29/01/2103	राहु 11/12/2121	गुरु 14/10/2138	00/00/0000
मंगल 22/06/2089	राहु 23/06/2105	गुरु 23/06/2124	शनि 23/06/2141	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 6 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारूप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन के कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाले हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगे। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रूचिवान रहेंगे। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगे। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखते हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहते हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचते है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन का ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाले व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करते हो। दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहते। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहते। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरूद्ध कर स्वयं आगे निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक है। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के

संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमती पत्नी एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली व्यक्ति के समान धनी हो जाओगे। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्य कर्त्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करते हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देते तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़े रहते हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकते हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकते है क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।

आचार्य उज्ज्वल कृष्ण शास्त्री जी
श्री धाम अयोध्या जी (सारंगापुर)
7906311562 , 7388947439
Ujjwalkrishna7388@gmail.com